(v) REPORTED MAL-TREATMENT OF HINDUS IN PAKISTAN

श्री सज्जन कुमार (बाह्य दिल्ली): उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ दुर्व्यवहार किये जाने के प्रति आकर्षित करना चाहता हूं।

23 अप्रैल 1982 को पाकिस्तान में हिन्दुओं के 40 मकानों को, 2 चावल मिलों को आग लगा दी गई तथा हिन्दुओं का एक मंदिर भी तहस नहस कर दिया गया।

उपरोक्त समाचार 24-4-82 को सांध्य टाइम्स में तथा 25-4-82 के नवभारत टाइम्स में प्रकाशित हुआ है।

इतना ही नहीं, पाकिस्तान सरकार हिन्दुओं को नये मंदिर बनाने की अनुमति भी नहीं देती। उन्हें सामान्य मानवीय अधिकारों से भी वंचित रखा जाता है।

मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस मामले को पाकिस्तान सरकार के साथ गम्भीरता से उठाया जाय और हिन्दुओं के अधिकारों की रक्षा की जाए।

मैं जानना चाहूंगा कि क्या सरकार ने इस घटना के सम्बन्ध में पाकिस्तान सरकार को विरोध पत्र भेजा है? अगर भेजा है तो पाक सरकार की प्रतिक्रिया क्या है और नहीं भेजा है तो इस विलम्ब का क्या कारण है?

यह खेद की बात है कि पाकिस्तान सरकार अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को नहीं निभा पा रही है। मेरा पुन: आग्रह है कि भारत सरकार पाकिस्तान के हिन्दुओं के हितों की रक्षा के लिए तुरन्त आवश्यक कार्यवाही करें।

(vi) DEVELOPMENT OF SMALL SCALE INDUSTRY AND SETTING UP SOME MAJOR INDUSTRIES IN EASTERN UTTAR PRADESH

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर): मैं आप के माध्यम से माननीय उद्योग मंत्री का ध्यान पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर, जौनपुर एवं दक्षिणी वाराणसी के अत्यन्त अविकसित इलाके की ओर ले जाना चाहता हूं।

कई बार इस सदन में इस बात को कहा गया कि यह एक अत्यन्त अविकसित इलाका है। इस इलाके की जनसंख्या लगभग 40 लाख से अधिक है। यहां कोई उद्योग नहीं है। यहां के लोग मुख्यत: खेती और मजदूरी पर निर्भर हैं। लोग कलकत्ता, बम्बई आदि बड़े शहरों में जा कर बड़ी मुश्किल से रोजी-रोटी कमाते हैं। बड़ी ही गरीबी में यहां के लोगों का जीवन गुजर रहा है। हर वर्ग का व्यक्ति परेशान है। इस क्षेत्र में बुनकारी, तार जाली, रंग, बीड़ी, ईंटा, खपरैल एवं दूध का खोवा आदि बनाने का कार्य होता रहा है।

वर्तमान परिस्थितियां कुछ ऐसी बिगड़ गई कि अब ये धन्धे भी टूट चुके हैं। लघु उद्योग धन्धे भी एकदम समाप्त हो गये। किसान, मजदूर सभी परेशान हैं। ऊंचे एवं गरीब तबके के अधिकांश युवक शहरों में आटो रिक्शा टैक्सी चलाने को मजबूर हैं।

बेकारी में निरन्तर अपराध बढ़ रहे हैं। आदमी एकदम मायूस हो गया है। किसी किस्म का कोई साधन नहीं रह गया है। पिछले 3-4 वर्षों से कृषि की उपज भी प्राकृतिक आपदा से बहुत ही खराब हुई। कभी बाढ़, कभी सूखे में वहां निरन्तर तबाही होती रही।

इस विषम स्थिति में लाखों गरीबों का जीवन संकट में है। एक वृहद खाद का कारखाना लगाए जाने की बात से कुछ लोगों की आशाएं जगी पर वह भी लोप हो गया। आम आदमी की दृष्टि सरकार की ओर लगी है। सभी लोग बराबर सोच रहे हैं कि सरकार जीने का सहारा देगी पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई

अत: इस विषम परिस्थिति में समस्त पूर्वांचल के लोगों के सामने घोर संकट है। मैं माननीय उद्योग मंत्री से इस संदर्भ में आग्रह करूंगा कि वे उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश देने की कृपा करें कि तुरन्त इस क्षेत्र में लघु उद्योगों का विकास किया जाय। साथ ही केन्द्र सरकार को